Information about Somatoform and Dissociative (Hysteria):

Many people have different types of physical symptoms, such as headaches, joint pain, abdominal symptoms, symptoms of chest and symptoms of menstruation and nervous system such as hearing of hands, but with paralysis or lack of strength Doctors come to some of these people, after examining the examinations of the doctors and no physical cause is found in the present medical science. These are not known by the Dental / Physical understanding; they are called somatoform and dissociative (hysteria).

What are the symptoms of somatoform and dissociative (hysteria)?

Pain in different parts of the body. The body's various body systems such as digestive tract, nervous system, immersion system and reproductive system are characterized by singular or slightly different mechanisms.
Forgetting, loss of hearing, loss of sensations in half body, lack of strength in limbs/ paralysis, sudden loss of voice, fainting and convulsiuons etc.
Physical symptoms are considered by some patients to be very serious or incurable (cancer, AIDS, heart) symptoms, but there is no disturbance in physical examination
There are no symptoms in a patient; symptoms may change from time to time
But for all these symptoms, there will be no problem with detailed physical examination and examination.
The patient does not believe that there is no physical problem and he continues to do many consultations and checks.
Normally, such a patient does not know his business properly, and focuses only on the pain of his body all the time.

What are the causes of somatoform and dissociative (hysteria)?

At normal level, it is more sensitive in patient's personality and in the situation of social, family and personal stress.

What are the treatments of somatoform and dissociative (hysteria)?

Counseling:
Understanding the patient's symptoms and on checking in detail, it seems that there is no major physical illness; it does not mean that it is not a problem, but the cause of the problem is stress, but the symptoms are physical. The patient should discuss openly with doctors about their symptoms and tell new symptoms.Treating doctors of the same team in which both physiological and psychiatric therapists are involved. Do not change the doctors frequently and do not get unnecessary check without the advice of the doctors.
The patient should continue to work and carry out activities of daily living.
Do not eat unnecessary medicines like pain pills
Relaxation Exercise, exercise and meditation / meditation should be done to keep the mind calm.

Special treatment: There is no special contribution of medicines if it is accompanied by depression, etc. There is a good effect on the treatment of different types of psychotherapy according to the patient's personality and stress.

Role of family: encourage functioning of patient. Avoid doctor shopping. Encourage patient to tick to a single treating team. Encourage independent living and work function of patient. Avoid sick role and secondary gains. Help patient in resolving his conflicting issues.

सोमेंटोफॉर्म और डीसोसीऐटीव (हिस्टीरिया) के बारे में जानकारी :

बहुत से लोगों में विभिन्न प्रकार के शारीरिक लक्षण जो की सर दर्द, जोड़ों का दर्द, पेट मैं विभिन्न प्रकार के लक्षण, छाती के लक्षण और यादाश्त अवं नर्वस सिस्टम के लक्षण जैसे की हाथ पेरों का सुना पण , लकवा या ताकत की कमी के साथ डॉक्टर्स के पास आते हैं इन में से कुछ लोगों में में डॉक्टर्स के एग्जामिनेशन और जांच करने के बाद कोई शारीरिक कारण नहीं मिलता वर्तमान में उपलब्द चिकित्सा विज्ञान में मेडिकल/शारीरिक समझ से ये नहीं जाने जाते हैं इन्ही को **सोमेंटोफॉर्म और डीसोसीऐटीव (हिस्टीरिया) कहा जाता है**

सोमेंटोफॉर्म और डीसोसीऐटीव (हिस्टीरिया) के लक्षण क्या हैं ?

शरीर के विभिन्न भागों में दर्द होना
शरीर के विभिन्न बॉडी सिस्टम्स जैसे की पाचन तंत्र, स्नायु तंत्र, विसर्जन तंत्र और प्रजनन तंत्र के लक्षण अकेले या थोड़े बहुत हर तंत्र में से होना
भूल जाना ,हाथ पैर में सुना पण और/ या ताकत की कमी होना, अचानक आवाज चले जाना, बेहोश होना और दोरे पड़ना इत्यादि
शारीरिक लक्षणों को कोई कोई रोगी बड़ी भयानक या लाइलाज बीमारी (कैंसर, एड्स, हार्ट)के लक्षण माने जबकि शारीरिक जांचों में कोई भी गड़बड़ी ना हो
एक रोगी में सारे लक्षण नहीं होते हैं समय समय पर लक्षण बदल भी सकते हैं
पर ये सब लक्षणों के लिए विस्तृत शारीरिक जांच और परिक्षण में कोई दिक्कत ना मिले
मरीज को ये यकीं नहीं होता की कोई शारीरिक दिक्कत नहीं है और वो बहुत से परामर्श और जांचें करवाता रहे
आम तोर पर ऐसा मरीज अपने काम धंदे को सही से नहीं कर पता और सारा समय अपने शारीर की पीड़ा पर ही ध्यान केन्द्रित रखता है

सोमेंटोफॉर्म और डीसोसीऐटीव (हिस्टीरिया) के कारण क्या हैं ?
आम तोर पर ये मरीज के व्यक्तित्व में ज्यादा संवेदन शीलता और सामाजिक, पारिवारिक एवं व्यक्तिगत तनाव की स्थिति में होता है

सोमेंटोफॉर्म और डीसोसीऐटीव (हिस्टीरिया) के उपचार क्या हैं ?

काउंसलिंग :
मरीज के लक्षणों और जांचों को अच्छे से समझते हुए लगता है की कोई बड़ी शारीरिक बीमारी नहीं है इसका मतलब ये नहीं की उसे दिक्कत नहीं है पर दिक्कत का कारण शारीरिक ना होकर तनाव है पर लक्षण शारीरिक हैं
मरीज को अपने लक्षणों के बारे में डॉक्टर्स से खुलकर चर्चा करने चाहिए और नए लक्षणों को भी बताना चाहिए

एक ही टीम के डॉक्टर्स जिसमें दोनो शारीरिक और मानसिक चिकित्सक शामिल हो उनसे उपचार लें बार बार डॉक्टर्स ना बदलें डॉक्टर्स की सलाह के बिना अनावश्यक जांच ना करवाएं

रोगी को अपने कार्य शैले और रोजमर के जीवन के काम करते रहना चाहिये
अनावश्यक दवाइयां जैसे की दर्द की गोलियां आदि नहीं खानी चाहिए
मन को शांत रखने के लिए रिलैक्सेशन एक्सरसाइज , व्यायाम और ध्यान / मैडिटेशन इत्यादि करना चाहिए
विशेष उपचार : इसमें दवाए का कोई खास योगदान नहीं है अगर साथ में अवसाद इत्यादि हो तो उसका उपचार किया जाते है
इसमें मरीज के व्यक्तित्व और तनाव के कारण के हिसाब से विभिन्न प्रकार की साइकोथेरेपी के इलाज का अच्छा प्रभाव देखा जाता है

परिवार की भूमिका: रोगी के कामकाज को प्रोत्साहित करें। डॉक्टर खरीदारी से बचें। रोगी को एक इलाज टीम में टिकने के लिए प्रोत्साहित करें। मरीज के स्वतंत्र जीवन और कार्य समारोह को प्रोत्साहित करें। बीमार भूमिका और माध्यमिक लाभ से बचें। अपने विरोधाभासी मुद्दों को हल करने में रोगी की सहायता करें।